(c) The existing Central Investment Subsidy Scheme covers the rural areas of Centrally declared industrially backward districts.

Increase in the prices of soft drinks

903. SHRIMATI SUDHA VIJAY JOSHI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what were the prices of different varieties of soft drinks during the last year;

(b) whether it is a fact that during the current financial year the prices of soft drinks have increased;

(c) if so, the range of the price increase and the reasons for the same; and

(d) what steps are being taken to control the prices of soft drinks ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) The retail price per bottle of soft drink at Delhi was around Rs. 2. 00 last year.

(b) Yes, Sir.

(c) The price increase was around 50 paise per bottle in Delhi. The manufacturers have attributed the increase in prices to the increase in excise duty and higher input costs.

(d) There is no statutory control on the prices of soft drinks. Soft drink industry is one of the industries coveted by de-licensing scheme introduced by the Government in March, 1985 and it is anticipated that with the possible creation of additional capacity, normal market forces will operate to the advantage of the consumer.

एच. एम. टी. घड़ियां

904. **श्री राधा किशन मालवीय** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एच. एम. टी. घड़ियों की मांग की तुलना में उनका उत्पादन कम या अधिक है; और

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान घड़ियों की मांग तथा उत्पादन का ब्यौरा क्या है और एच. एम. टी घड़ियों के उत्पादन के संबंध में सरकार की नीति क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम. अरुणाचलम) : (क) एच. एम. टी. की घड़ियों का उत्पादन घड़ियों की अनुमानित मांग से कम है ।

(ख) एच. एम. टी. के अनुमानों के अनुसार इनकी घड़ियों की मांग पिछले तीन वर्षों के दौरान 11 से 13 मिलियन घड़ियां प्रतिवर्ष थी ।

एच. एम. टी. घड़ियों का पिछले तीन वर्षों का उत्पादन निम्नलिखित है

	(संख्या लाख में)
1984-85	44·10
1985-86	45·34
1986-87	50·00

एच. एम. टी. घड़ियों का उत्पादन 1988-89 तक 61·8 लाख घड़ियां प्रतिवर्ष तक बढ़ाने की योजना है ।

राजस्थान की ऊर्जा आवश्यकता

905. **श्री भंवर लाल पंवार** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष सूखे के परिणामस्वरूप राजस्थान की ऊर्जा आवश्यकता की मांग को सरकार द्वारा ऊर्जा के किन-किन वैकल्पिक साधनों से पूरा किए जाने का विचार है;

(ख) इस संबंध में राजस्थान की वर्तमान आवश्यकता कितनी है और वहां ऊर्जा की आवश्यकता और पूर्ति में कितना अन्तर है; और

(ग) कृषि क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र को अलग-अलग कितने प्रतिशत ऊर्जा कटौती का वहन करना पड़ेगा ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) इस वर्ष सूखे की स्थिति के कारण राजस्थान की ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य सरकार से विभिन्न उपाय करने का

अनुरोध किया गया था जिसमें ताप विद्युत केन्द्रों के विद्युत उत्पादन में वृद्धि करना, भार संबंधी प्रबन्ध को कार्यान्वित करना तथा ऊर्जा संरक्षण संबंधी उपाय करना शामिल हैं । राजस्थान की उत्तरी ग्रिड से जहां तक संभव हो सहायता करने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं । राजस्थान को मध्य प्रदेश से भी जहां तक संभव है, सहायता की जा रही है ।

(ख) अक्तूबर, 1987 के महीने के दौरान 653 मिलियन यूनिट उपलब्ध थी, इसकी तुलना में आवश्यकता 736 मिलियन यूनिट थी । यह लगभग 11.3% की कमी का सूचक है ।

(ग) समय-2 पर राज्य में विद्युत की मांग और उपलब्धता की स्थिति को मद्दे नजर रखते हुए राज्य प्राधिकारियों द्वारा विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए विद्युत सप्लाई का निर्णय लिया जाता है । राजस्थान सहित राज्यों से अनुरोध किया गया है कि कृषि क्षेत्र को विद्युत सप्लाई करने के मामले में उच्च प्राथमिकता प्रदान करें । राजस्थान में अक्तूबर, 1987 के दौरान कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिदिन लगभग 8 घंटे विद्युत सप्लाई की गई थी ।

Formulation based on Ascorbic Acid

906. SHRI RAFIQUE ALAM: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that formulations based on single ingredient Ascorbic Acid which are being marketed under different brand names were recommended by the Kelkar Committee for price decontrol;

(b) if so, whether is it also a fact that the Kelkar Committee followed certain criteria for exclusion of drugs and formulations from price control; and

(c) if so, what are the details thereof and which single ingredient brand products of Ascorbic Acid were recommended for exclusion from price control?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. MICHANDRA SINGH): (a) to (c) Various recommendations made by the Kelkar Committee alongwith the criteria followed by them for identification of Category-II drugs are contained in the report of the Committee, copies of which are available in the Parliament Library. The Committee had recommended price decontrol for all single ingredient vitamin formulations.

Production of Thiamine Hcl and Vitamin E

907. SHRI RAFIQUE ALAM: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to
slate:

(a) whether it is a fact that producers of Thiamine Hcl and Vitamin E are monopoly producers of these drugs;

(b) whether it is also a fact that his Ministry has excluded these drugs from price control despite recommendation for price control on them by the Expert Committee appointed for identification of drugs for price control;

(c) what are the names of producers of each drug along with their production during the last three years, year-wise;

(d) what was the turn-over of each drug during 1986; and

(e) what was the criterion/justification for the exclusion of these drugs from price control and whether that principle has
been applied in all cases ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF CHEMICALS AND PETRO-CHEMICALS IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI R. K. JAICHANDRA SINGH): (a) and (c) Thaimine Hcl which is exclusively reserved for I public sector, is being produced by M/s. j IDPL. Vitamin E is being produced by j three companies, among whom M/s. E. Merck accounts for over 75% production.